संत कबीरदास के दोहे पुस्तिका
PAMPHLET ON SANT KABIRDAS KE DOHE

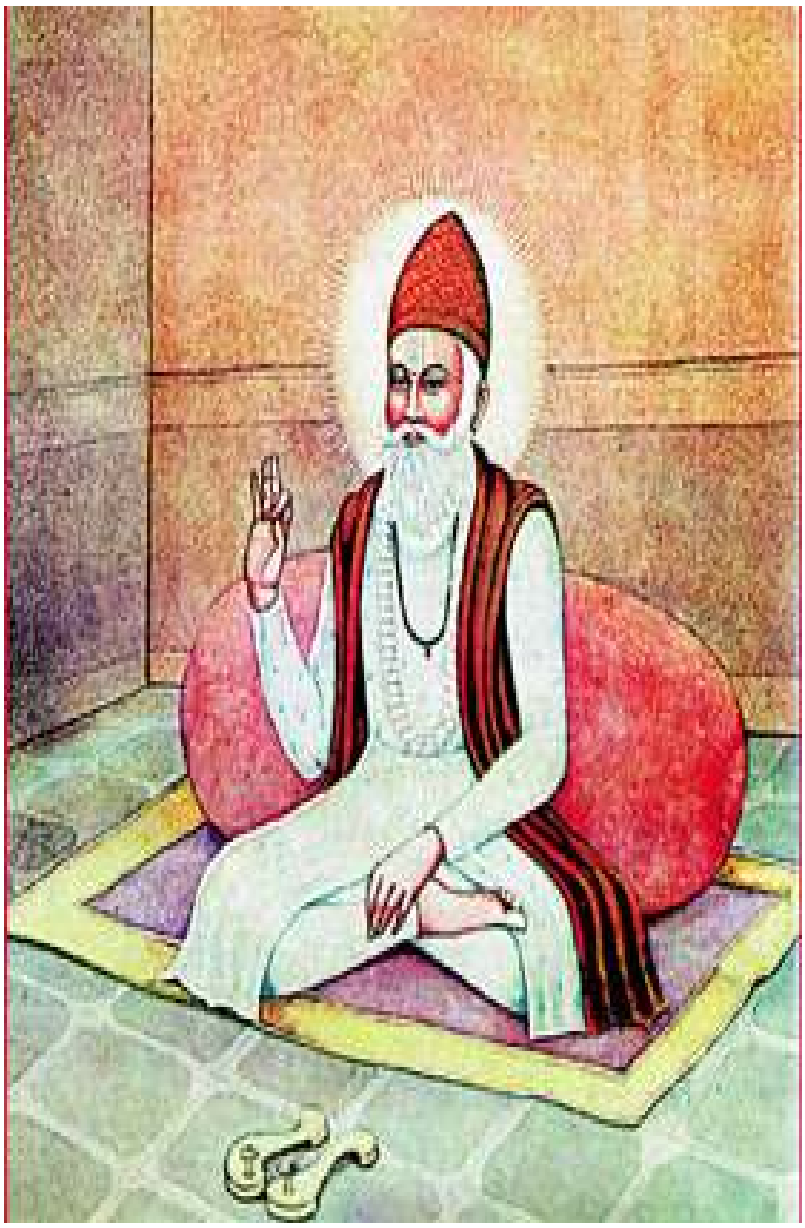

हिंदी माह समारोह 2022 के दौरान रेलवे स्कूल के बच्चों के स्मरण शक्ति प्रतियोगिता के सिलसिले में प्रकाशित - सितंबर 2022

मदुरै मंडल

संत कबीरदास Sant Kabirdas

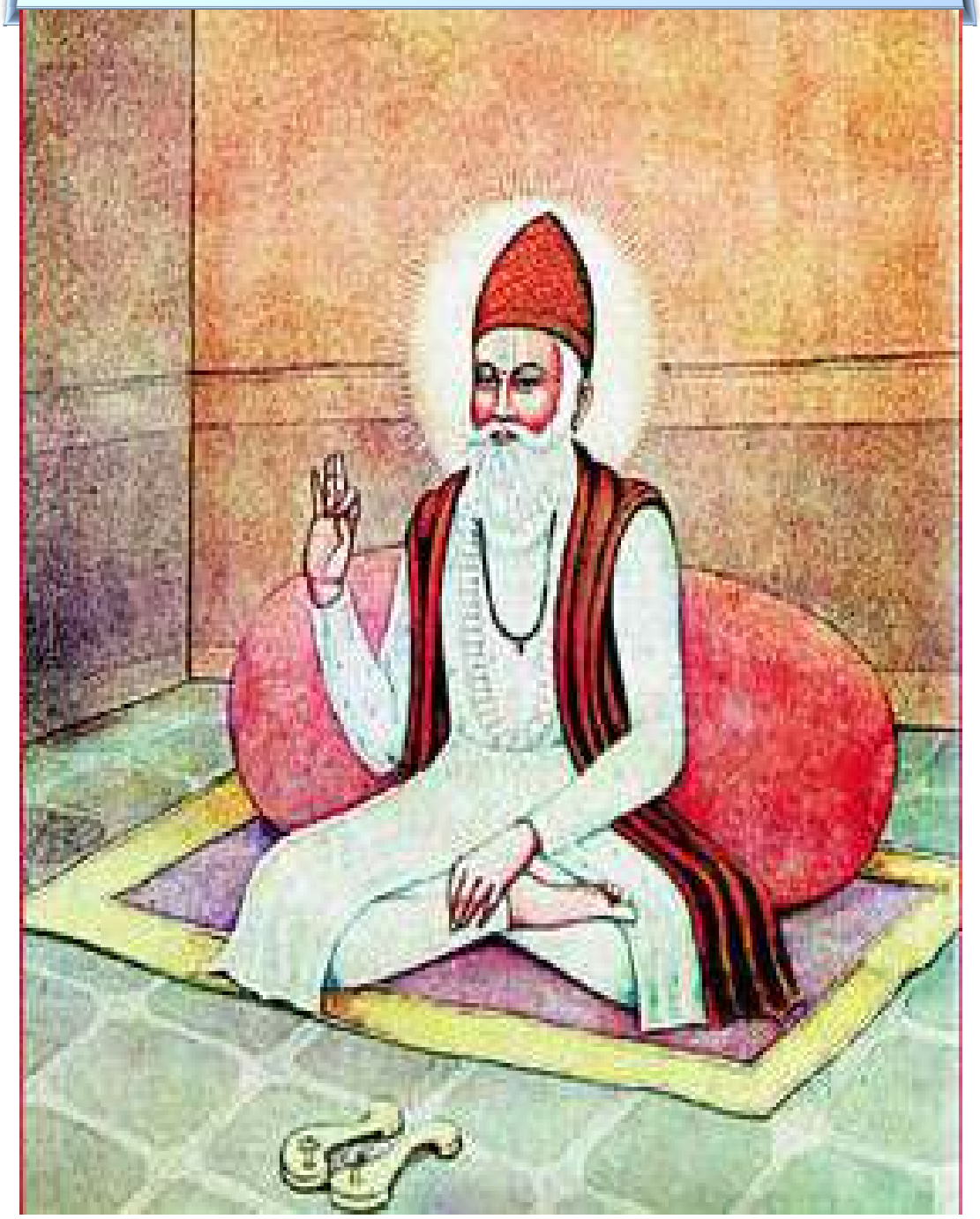

संत कबीरदास Sant Kabirdas

कबीरदास

- **कबीरदास** रहस्यवादी कवि और संत थे। वे हिन्दी साहित्य के भक्तिकालीन युग में परमेश्वर की भक्ति के लिए एक महान प्रवर्तक के रूप में उभरे। उन्होंने सामाज में फैली कुरीतियों, कर्मकांड, अंधविश्वास की निंदा की और सामाजिक बुराइयों की कड़ी आलोचना भी। उनके जीवनकाल के दौरान हिन्दू और मुसलमान दोनों ने उन्हें बहुत सहयोग किया।

Sant Kabir

- **Sant Kabir** was a great poet and saint of Bhaktikal of Hindi Sahitya. He was a great devotee and social-reformer. Though Kabir was illiterate, he was not less than a scholar. He was bold, carefree, self-contented and revolutionary social-reformer. During his lifetime both Hindus and Muslims supported him a lot.

कबीर के दोहे
Kabir ke dohe

- बडा हुआ तो क्या हुआ जैसे पेड़ खजूर ।
  पंथी को छाया नही फल लागे अति दूर ॥

- कबीरा खड़ा बाज़ार में, सबकी मांगे खैर ।
  ना काहू से दोस्ती, ना काहू से बैर ।।

- कहे कबीर कैसे निबाहे , केर बेर को संग ।
  वह झूमत रस आपनी, उसके फाटत अंग ।।

- तिनका कबहूँ न निंदिये जो पावन तर होए ।
  कभू उडी अँखियाँ परे तो पीर घनेरी होए ।।

- साँई इतना दीजिए जामें कुटुंब समाय ।
  मैं भी भूखा ना रहूँ साधु न भुखा जाय ॥

कबीर के दोहे Kabir ke dohe

- माटी कहे कुम्हार से, तु क्या रौंदे मोय ।
  एक दिन ऐसा आएगा, मैं रौंदूगी तोय ॥

- माला फेरत जुग भया, फिरा न मन का फेर ।
  कर का मन का डार दे, मन का मनका फेर ॥

- गुरु गोविंद दोनों खड़े, काके लागूं पाँय ।
  बलिहारी गुरु आपनो, गोविंद दियो मिलाय ॥

- पाथर पूजे हरि मिले , तो मैं पूजू पहाड़ ।
  ताते यह चाकी भली, पीस खाए संसार ॥

- दुर्बल को न सताइये, जाकी मोटी हाय ।
  मरी खाल की सांस से, लोह भसम हो जाय ||

कबीर के दोहे Kabir ke dohe

- ऐसी बानी बोलिए, मन का आपा खोय ।
  औरन को शीतल करे, आपहु शीतल होय ।

- अति का भला न बोलना, अति की भली न चूप ।
  अति का भला न बरसना, अति की भली न धूप ।।

- बोली एक अनमोल है, जो कोई बोलै जानि ।
  हिये तराजू तौलि के, तब मुख बाहर आनि ।।

- जाति न पूछो साध की , पूछ लीजिये ग्यान।
  मोल करो तरवार का , पड़ा रहन दो म्यान।

- माला तो कर मैं फिरै, जीभि फिरै मुख माहिं।
  मनुवाँ तो दहुँदिसि फिरै , यह तौ सुमिरन नाहिं।

कबीर के दोहे Kabir ke dohe

- माला फेरत जुग भया , फिरा न मन का फेर ।
  कर का मनका डार दे , मन का मनका फेर॥
- पोथी पढ़ी पढ़ी जग मुआ, पंडित भया ना कोय।
  ढाई आखर प्रेम का , पढ़े तो पंडित होए ।।
- सब धरती काजग करूँ ,लेखनी सब वनराय ।
  सात समुंद की मसि करूँ, गुरु गुण लिखा न जाय।।
- चाह मिटी, चिंता मिटी मनुवा बेपरवाह ।
  जिसको कछु न चाहिए सो ही शहनशाह ॥
- दुःख में सुमिरन सब करे सुख में करै न कोय ।
  जो सुख मे सुमिरन करे दुःख काहे को होय ॥

कबीर के दोहे Kabir ke dohe

- **#1**
- **बड़ा हुआ तो क्या हुआ जैसे पेड़ खजूर ।**
  पंथी को छाया नही फल लागे अति दूर ॥

MEANING IN HINDI

- कबीर कहते हैं, कि सिर्फ बड़े होने से कुछ नहीं होता. उदाहरण के लिए खजूर का पेड़, जो इतना बड़ा होता है पर ना तो किसी यात्री को धूप के समय छाया दे सकता है, ना ही उसके फल कोई आसानी से तोड़ के अपनी भूख मिटा सकता है .

MEANING IN ENGLISH

- It is no use being very big or rich if you can not do any good to others. For example, Palm tree is also very tall, but it is of no use to a traveller as it provides no shade and the fruit is also at the top, so noone can eat easily

- #2
- **कबीरा खड़ा बाज़ार में, सबकी मांगे खैर ।**
  ना काहू से दोस्ती, ना काहू से बैर ।।
- **MEANING IN HINDI**
- कबीर कहते हैं की सबके बारे में भला सोचो . ना किसी से ज्यादा दोस्ती रखो और ना ही किसी से दुश्मनी रखो.
- **MEANING IN ENGLISH**
- Kabir says that you should always think well of everyone. Do not be over-friendly with anyone nor should you be hostile to anyone.

- #3
- **कहे कबीर कैसे निबाहे , केर बेर को संग ।**
  वह झूमत रस आपनी, उसके फाटत अंग ।।
- **MEANING IN HINDI**
- कबीर कहते हैं कि भिन्न प्रकृति के लोग एक साथ नहीं रह सकते. जैसे केले और बेर का पेड़ साथ साथ नहीं लगा सकते. क्योंकि हवा से बेर का पेड़ हिलेगा और उसके काँटों से केले के पत्ते कट जायेंगे.
- **MEANING IN ENGLISH**
- Kabir says people of different nature cannot live together. As if Banana and Ber trees are planted near each other, Ber tree will swing in air and banana tree leaves will get torn by its thorns.

कबीर के दोहे Kabir ke dohe

- **#4**
- **तिनका कबहुँ न निंदिये जो पावन तर होए ।**
  कभू उडी अँखियाँ परे तो पीर घनेरी होए ।।
- **MEANING IN HINDI**
- कबीर कहते हैं कि किसी तिनके को पावों के नीचे नहीं रौंदना चाहिए अर्थात किसी दुर्बल, असहाय के ऊपर अत्याचार नहीं करना चाहिए क्योंकि जब दुर्बल उठ के वार करेगा तो बहुत पीड़ा होगी, जैसे तिनका यदि आँख में उड़ के चला जाए तो बहुत व्यथा होती है.
- **MEANING IN ENGLISH**
- Kabir says that you should not oppress the weak, as you should not trample a speck because when that weak person counter-attacks, it will be very painful just like a speck of dust in eye can cause a lot of discomfort.

- #5
- **साँई इतना दीजिए जामें कुटंब समाय ।**
  मैं भी भूखा ना रहूँ साधु ने भुखा जाय ॥
- **MEANING IN HINDI**
- कबीर कहते हैं, कि हे भगवान मुझे ज्यादा नहीं चाहिए. बस इतना दीजिये,जिस में परिवार का भरण-पोषण हो जाए. और यदि कोई अतिथि आये, तो उसका सत्कार भी कर सके.
- **MEANING IN ENGLISH**
- Kabir request God to give only as much so that he can feed his family and if any guest comes he should be able to feed him too. It means, you should only have what you need, no use having too much.

- #6
- **माटी कहे कुम्हार से, तू क्या रौंदे मोय ।**
  एक दिन ऐसा आएगा, मैं रौंदूगी तोय ॥
- **MEANING IN HINDI**
- मिट्टी कुम्हार से कहती है कि आज तो तू मुझे पैरों के नीचे रोंद रहा है . पर एक दिन ऐसा आएगा जब तू मेरे नीचे होगा और मैं तेरे ऊपर होउंगी . अर्थात मृत्यु के बाद सब मिटटी के नीचे ही होते हैं .
- **MEANING IN ENGLISH**
- Soil tells the pot maker, you think you are kicking me and kneading me with your feet. There will be a day when you will be below me (after death) , I will knead you.

कबीर के दोहे Kabir ke dohe

- #7
- **माला फेरत जुग भया, फिरा न मन का फेर ।**
  कर का मन का डार दे, मन का मनका फेर ॥
- **MEANING IN HINDI**
- ये उन लोगों के ऊपर कटाक्ष है जो धर्मभीरु होते हैं. कबीर कहते हैं कि माला फेरने से कुछ नहीं होता. धर्मभीरुता छोड़ के अपने मन को बदलो.
- **MEANING IN ENGLISH**
- This is sarcasm on people who follow religion blindly. Kabir says, you spent your life turning the beads of rosary, but could not turn your own heart. Leave the rosary and try and change the evil in your heart.

- **#8.**
- **गुरु गोविंद दोनों खड़े, काके लागूं पाँय ।**
  बलिहारी गुरु आपनो, गोविंद दियो मिलाय ॥
- **MEANING IN HINDI**
- कबीर कहते हैं कि गुरु का स्थान ईश्वर से भी ऊपर है. यदि दोनों एक साथ खड़े हो तो किसे पहले प्रणाम करना चाहिए? गुरु की शिक्षा के कारण ही भगवान् के दर्शन हुए हैं इसलिए गुरू को ही पहना नमन है.
- **MEANING IN ENGLISH**
- Here Kabir says Teacher is even greater than God. He says, if teacher and God are both in front, who will be greeted first. He says, it is only because of teacher's teaching that we are able to see God. So first salutation to Guru only.
-
- **#9.**
- **पाथर पूजे हरि मिले , तो मैं पूज पहाड़ ।**
  ताते यह चाकी भली, पीस खाए संसार ॥
- **MEANING IN HINDI**
- कबीर कहते हैं कि यदि पत्थर कि मूर्ती कि पूजा करने से भगवान् मिल जाते तो मैं पहाड़ कि पूजा कर लेता हूं . घर की चक्की की पूजा कोई नहीं करता, जिसमे अन्न पीस कर लोग अपना पेट भरते हैं, वह भी हालांकि पत्थर है और उससे फायदा है।
- **MEANING IN ENGLISH**
- Kabir says people worship idols made from stone. If it was possible to reach God this way, he would worship a Hill. Instead, none worships home flour mill (chakki) which gives us the flour to eat, which is also a stone.
-

कबीर के दोहे Kabir ke dohe

- **#10.**
- **दुर्बल को न सताइये, जाकी मोटी हाय ।**
  मरी खाल की सांस से, लोह भसम हो जाय ।।
- **MEANING IN HINDI**
- कबीर जी कहते हैं - किसी को दुर्बल या कमज़ोर समझ कर उसको नहीं सताना चाहिए, क्योंकि दुर्बल की हाय या शाप बहुत प्रभावशाली होता है. जैसे मरे हुए जानवर की खाल को जलाने से लोहा तक पिघल जाता है.
- **MEANING IN ENGLISH**
- Kabir says that you should not oppress somebody weak thinking that person cannot do you any harm. Weak person's curse can do you great harm just like hide/skin from a dead animal can melt even iron.

#11.

- **ऐसी बानी बोलिए, मन का आपा खोय ।**
- **औरन को शीतल करे, आपहु शीतल होय ।**
- **MEANING IN HINDI**
- कबीर कहते हैं कि ऐसी वाणी में बात कीजिये, जिससे सब का मन भाव विभोर हो जाए। आपकी मधुर वाणी सुनकर आप स्वयं भी शीतल हो और जो सुने वे भी प्रसन्न हो जाए।
- **MEANING IN ENGLISH**
- Kabirdas says in this couplet that one should speak in such sweet language which makes everyone happy, not just yourself but also others who listen to you.

 # 12.

- अति का भला न बोलना, अति की भली न चूप ।
  अति का भला न बरसना, अति की भली न धूप ।।
- **MEANING IN HINDI**
- कबीर कहते हैं कि न तो अधिक बोलना अच्छा है, न ही अधिक चुप रहना ही ठीक है. जैसे बहुत अधिक वर्षा भी अच्छी नहीं और बहुत अधिक धूप भी अच्छी नहीं है. अतः हमें संयम के साथ रहना चाहिए।
- **MEANING IN ENGLISH**
- Sant Kabirdas says in this couplet that too much of anything is bad, so one must exercise control and be moderate in everything. Too much talking is not good, neither is too much quietness. Just like how too much rain is not good and neither is too much sunshine.
-

कबीर के दोहे Kabir ke dohe

- #13.
- बोली एक अनमोल है, जो कोई बोलै जानि ।
  हिये तराजू तौलि के, तब मुख बाहर आनि ।।

MEANING IN HINDI - कबीर कहते हैं कि वाणी एक अमूल्य रत्न के समान है। इसलिए वह ह्रदय के तराजू में तोलकर अर्थात सोच समझ कर ही उसे मुंह से बाहर आने देना चाहिए.

MEANING IN ENGLISH - Sant Kabir das says that speech is like a priceless jewel. So, when someone speaks, must think many times and then speak.

#14.

- जाति न पूछो साध की , पूछ लीजिये ग्यान।
  मोल करो तरवार का , पड़ा रहन दो म्यान।
- हिंदी व्याख्या - यहाँ कबीर जी कहते हैं कि हमें साधु की जाति नहीं पूछनी चाहिए। अगर पूछना ही है तो उसका ज्ञान पूछना चाहिए। उसी प्रकार हमें तलवार का ही मोल-भाव करना चाहिए न कि म्यान का। अर्थात हमें तलवार को ही मुख्य मानना चाहिए न कि म्यान को। कहने का भाव है कि व्यक्ति के असली गुण को ही पूछना चाहिए।
- English Meaning – Kabir says that we must not ask a saint his caste. If we have to know anything about him that must be his knowledge. In the same way, we must bargain for the sword without giving importance to sheath. In other words, we must give importance to internal quality.

#15.

- माला तो कर मैं फिरै, जीभि फिरै मुख माहिं।
  मनुवाँ तो दहुँदिसि फिरै , यह तौ सुमिरन नाहिं।
- व्याख्या in Hindi - कबीर जी कहते हैं कि माला तो हाथ में घूमती है। साथ ही साथ जीभ मुख के अंदर प्रभु का नाम लेते हुए घूमती है। परंतु मनुष्य का मन चारों दिशाओं में भटकता रहता है। यह सच्ची भक्ति नहीं है। कहने का भाव है कि मानव मन चंचल है बिना इस पर नियंत्रण के सच्ची भक्ति नहीं हो सकती।
- English Explanation - A person rolls mala in the hands. In the meantime, his tongue repeats the name of God. But human mind is capricious. Until it is conquered, a person can't pray to Almighty.

-

कबीर के दोहे Kabir ke dohe

- **#16.**
- **माला फेरत जुग भया , फिरा न मन का फेर ।**
  कर का मनका डार दे , मन का मनका फेर॥
- **Hindi व्याख्या** - कबीर जी कहते हैं कि व्यक्ति को माला फेरते अर्थात पूजा पाठ करते युगों बीत जाएँ, उसका स्वाभाव नहीं बदलता तो कोई फायदा नहीं। इसलिए व्यक्ति को हाथ से माला फेरने से अधिक, मन के मनके फेरने चाहिए यानी मन को बदलने की कोशिश करनी चाहिए।
- **English Explanation** - A person may worship for ages, it doesn't guarantee the change in his nature. So instead of resorting to hypocritical practice such as telling the beads of rosary, the person must try to change his nature.
-
- **#17.**
- **पोथी पढ़ी पढ़ी जग मुआ, पंडित भया ना कोय।**
  ढाई आखर प्रेम का , पढ़े तो पंडित होए ।।
- **व्याख्या** - ज्ञान की किताबें पढ़ पढ़ कर भी कोई पंडित (विद्वान) नहीं बना । अगर इंसान प्यार के ढाई अक्षर पढ़ ले यानी वह दूसरों से प्यार करना सीख ले तो वह अपने आप पंडित बन जाता है।
- **Explanation** - Reading so many books doesn't make us scholar. If a person learns to love the humanity, he deserves to be called a scholar.
-
- **#18.**
- **रात गवाई सोए के, दिवस गवाया खाए।**
  हीरा जन्म अमोल सा , कोड़ी बदले जाए।।
- **व्याख्या** - इंसान अपनी जिंदगी को रात में सोने में व दिन में खाने में गुजार देता है। इस तरह वह इस हीरे जैसे जन्म को कौड़ी में बदल देता है। कहने का भाव है कि जिंदगी को बेकार में व्यर्थ नहीं करना चाहिए।
- **English Explanation** - A man spends his life in sleeping and eating. He doesn't do anything worth-doing. In this way he whiled away this gem-like-life and converted it into a *cowery* (a worthless thing).
-
-

कबीर के दोहे Kabir ke dohe

- #19.
- सब धरती काजग करूँ ,लेखनी सब वनराय ।
  सात समुंद की मसि करूँ, गुरु गुण लिखा न जाय ।।
- व्याख्या – पूरी धरती को कागज कर लें और सारे पेड को या वन को कलम कर लें। सात समुद्र को मसि भी कर लें फिर भी गुरू की महिमा को पूर्णतया लिखा नहीं जा सकता है।
- English Explanation – Make the earth as paper, all trees as pen, all oceans as ink then also the greatness of the teacher or guru cannot be fully told.
-
- #20.
- चाह मिटी, चिंता मिटी मनुवा बेपरवाह ।
  जिसको कछु न चाहिए सो ही शहनशाह ॥
- व्याख्या – इच्छा चली गयी तो चिंता नहीं रहेगी और मन बिना चिंता के रहेगा। जिसको कुछ नहीं चाहिए वही असल में बादशाह है।
- English Explanation – If desire goes away worry too goes away and one can be free from worries. One who does not want anything is the real emporer.
-
- #21.
- दुःख में सुमिरन सब करे सुख में करै न कोय ।
  जो सुख मे सुमिरन करे दुःख काहे को होय ॥
- व्याख्या – भगवान की याद सभी लोग जब दुख में है तब अवश्य करते हैं। जब सुख में है तब कोई भगवान की याद न करता है। यदि कोई मनुष्य सुख मे रहते हुए भगवान की याद करता है तो उसको दुख ही नहीं होगा।
- English Explanation – Everyone pray or remember god when in trouble. No one remembers him when in the state of happiness. If a person remember god when in happy state then he will never get trouble.

19 वीं शताब्दी के नामदेव, रैदास और पिपाजी के साथ संत कबीर

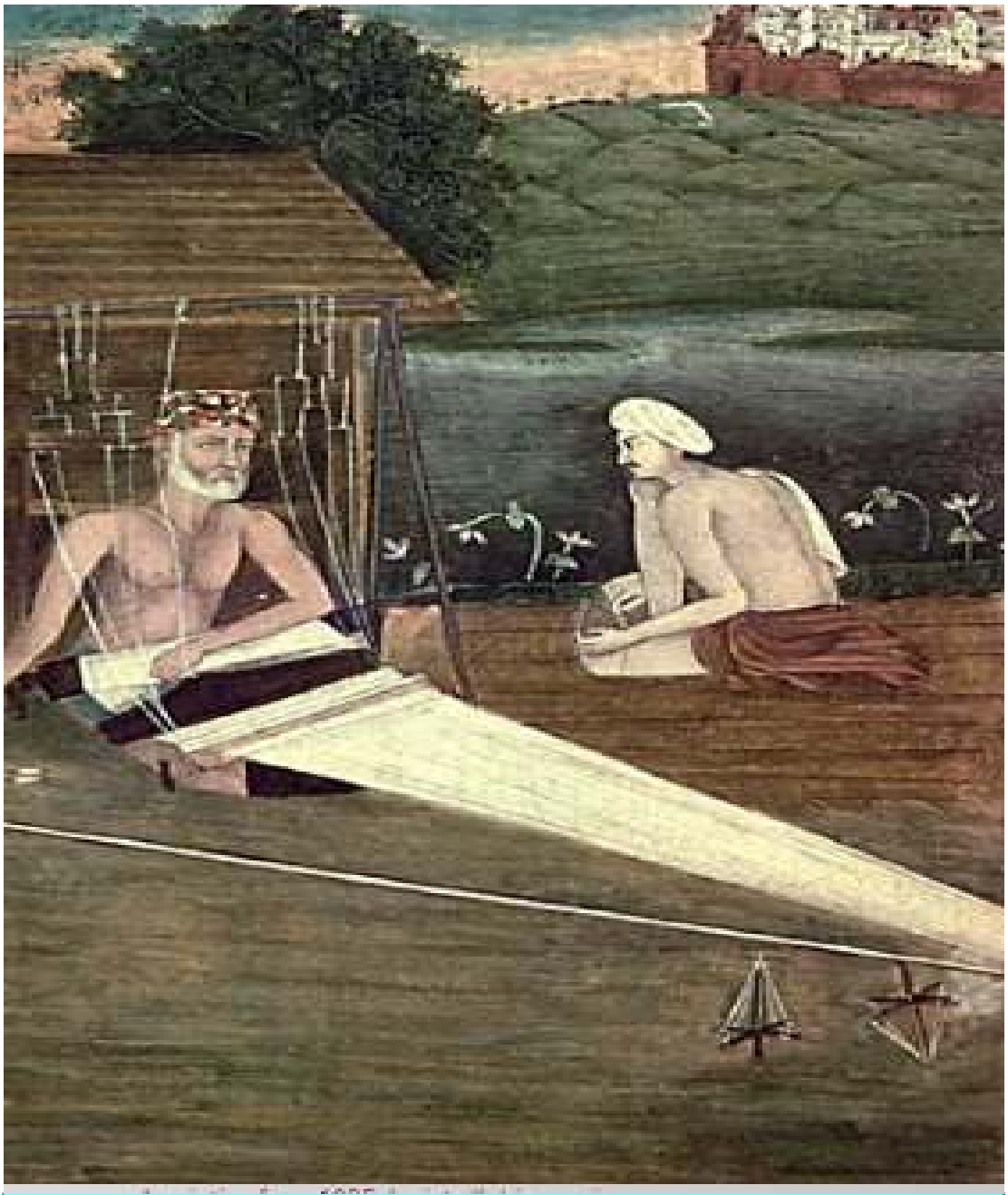

निःसंतान बुनकर दंपत्ति नीरू और नीमा ने कबीर का पालन-पोषण किया।

A childless weaver-couple Neeru and Neema brought up Kabir